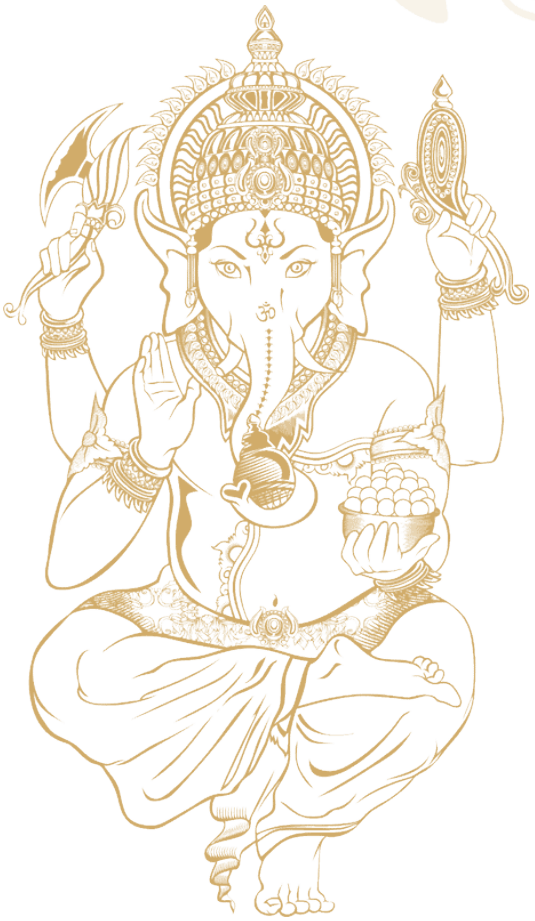

Mr.Ravi

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119135302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/12/1997	जन्म तिथि	02/12/1997
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:16:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 15:47:31	जन्म समय(घटी)	30:43:06 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Delhi
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:59	सूर्योदय	06:57:22
17:24:56	सूर्यास्त	17:23:43
23:49:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 10मा 28दि	27:15:15	कुंभ	लग्न	मिथु	13:56:22	शुक्र 14वर्ष 9मा 0दि
सूर्य	15:19:31	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	16:35:32	चन्द्र
30/10/2024	00:10:00	धनु	चंद्र	धनु	16:49:54	03/09/2018
30/10/2030	23:00:19	धनु	मंगल	धनु	23:58:10	03/09/2028
सूर्य 16/02/2025	06:37:03	धनु	बुध	धनु	07:34:32	चन्द्र 05/07/2019
चन्द्र 18/08/2025	22:46:28	मक	गुरु	मक	22:58:14	मंगल 03/02/2020
मंगल 24/12/2025	29:21:59	धनु	शुक्र	मक	00:16:13	राहु 03/08/2021
राहु 18/11/2026	19:54:53	मीन व	शनि व	मीन	19:52:55	गुरु 03/12/2022
गुरु 06/09/2027	21:51:20	सिंह व	राहु व	सिंह	21:36:06	शनि 04/07/2024
शनि 18/08/2028	21:51:20	कुंभ व	केतु व	कुंभ	21:36:06	बुध 03/12/2025
बुध 24/06/2029	11:51:31	मक	हर्ष	मक	11:54:24	केतु 04/07/2026
केतु 30/10/2029	04:07:11	मक	नेप	मक	04:09:15	शुक्र 04/03/2028
शुक्र 30/10/2030	11:47:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:50:12	सूर्य 03/09/2028

लग्न-चलित

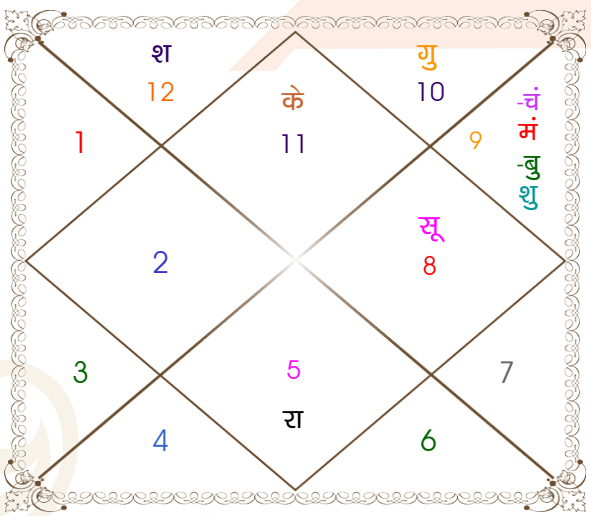

लग्न-चलित

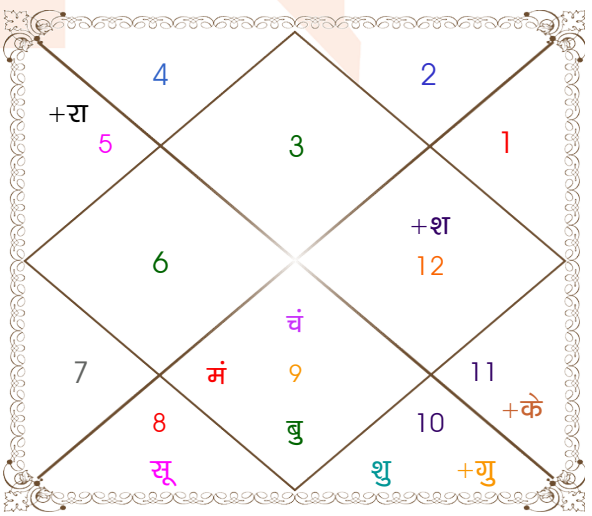

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.Ravi का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Ravi और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Ravi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Ravi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Ravi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Ravi तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।